इस्लामाबाद (पाकिस्तान), काठमांडू, काबल, नैरोबी, लागोस, दार-एस्सलाम, लियोपोल्डविल, रबात, अल्जीरिया, कोलम्बो और लन्दन ।

(ग) भारत सरकार जो किराया देती है, उसकी रकम साल दर साल बदलती रहती है । 1963–64 के दौरान यह रकम लगभग 144 लाख रुपए थी जिसमें से 90.72 लाख रुपए वैदेशिक कार्य पर खर्च हुए और बाकी रकम मिशनों में लगे अन्य मन्त्रालयों के अधिकारी और कर्मचारियों पर ।

संसद् सदस्यों के शिष्टमण्डल तथा मंत्रियों के दौरे

490. **श्री म० ला० द्विवदी :**
श्री स० चं० सामन्त :
श्री सुबोध हंसदा :

क्या **संसद्-कार्य** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :—

(क) वर्ष 1964–65 में अब तक उनके विभाग ने संसद् सदस्यों के कितने दौर की व्यवस्था की;

(ख) क्या अध्ययन दलों ने दौरा करने के पश्चात अपने अध्ययन प्रतिवेदन पेश किये ;

(ग) क्या अध्ययन दलों के प्रतिवेदन सदस्यों की जानकारी के लिये उन्हें भेजे गये थे; और

(घ) यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं ?

संचार तथा संसद-कार्य मन्त्री (श्री सत्य नारायण सिंह) : (क) निम्नलिखित प्रायोजनाओं के अध्ययनात्मिक दौरों का प्रबन्ध किया गया :—

1. कैम्बे तेल क्षेत्र । 2. अंकलेश्वर तेल क्षेत्र । 3. आणुविक रीएक्टर्स, ट्राम्बे । 4. नौसेना डाक यार्ड, बम्बई । 5. हिन्दुस्तान एण्टीबायोटिक्स, लिमिटेड, पिम्परी । 6. केन्द्रीय जल और विद्युत् अनुसन्धान स्टेशन, पूना । 7. औद्योगिक बस्ती, गिन्डी, मद्रास । 8. इंटिग्रल कोच फैक्ट्री, पीराम्बुर । 9. फर्टिलाइजर्स एण्ड कैमिकल्स (ट्रावनकोर) लिमिटेड, अलवई । 10. हिन्दुस्तान इंसैक्टीसाइडस फैक्ट्री, अलवई । 11. कोचीन पत्तन । 12. हिन्दुस्तान एयर क्राफ्ट फैक्ट्री, बंगलौर । 13. हिन्दुस्तान मशीन टूल्स फैक्ट्री, बंगलौर । 14. इण्डियन टेलीफोन इण्डस्ट्रीज, बंगलौर । 15. भारत इलेक्ट्रानिक्स, बंगलौर । 16. चिड़ियाघर, दिल्ली । 17. टेलीफोन केन्द्र, नई दिल्ली । 18. हिन्दुस्तान इंसेक्टीसाइड्स, नई दिल्ली । 19. चितरंजन रेल इंजन कारखाना, चितरंजन । 20. हिन्दुस्तान केबिल्स लिमिटेड, रूपनारायणपुर । 21. दुर्गापुर इस्पात कारखाना । 22. रूरकेला इस्पात कारखाना । 23. भिलाई इस्पात कारखाना । 24. हीराकुण्ड बांध । 25. विशाखापटनम शिपयार्ड और पत्तन । 26. प्रदीप पत्तन ।

(ख) हां । प्रतिवेदनों की प्रतियां सभा पटल पर रख दी गई हैं । [**पुस्तकालय में रखा गया । देखिये संख्या एल टी––3109/64**)

(ग) और (घ) ये प्रतिवेदन प्रायोजना प्राधिकारी, सम्बन्धित मन्त्रालयों और दौरों पर ले जाये गये सदस्यों को भेजे गये थे । सामान्यतः ऐसे प्रतिवेदनों को सभी सदस्यों में परिचालित करने की कार्य-प्रणाली नहीं है, तथापि व्यक्तिगत सदस्यों की मांग पर इनकी प्रतियां उन्हें भेज दी जाती हैं । इनकी प्रतियों को छपवा कर सभी सदस्यों में बांटने में बहुत खर्च आता है जो मितव्यय उपाय हेतु नहीं किया गया ।

Clocks and Bells in Government Buildings

491. **Shri R. G. Dubey:**
Shri Jashvant Mehta:

Will the Minister of **Communications** be pleased to state:

(a) whether action has been taken to remove the clocks and bells from